

सामाजिक सौहार्द का संदेश देती है भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा : नवीन गोयल

बोले, सबकी तरकी, खुशहाली, मनोकामना पूरी करें भगवान

सेक्टर-15 पार्ट-2 से निकाली गई भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मंगलवार को यहां सेक्टर-15 पार्ट-2 स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर से पूरी रुद्रा और भक्ति भाव के साथ भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली गई सभी भक्तों ने एक बार कर रथ को पूरी आस्था के साथ खुँचा। पर्यावरण संरक्षण विभाग भजपा हरियाणा प्रधान नवीन गोयल ने इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर गुरुग्राम और उड़ीसावासियों को इस यात्रा की बधाई दी। भगवान जगन्नाथ जी के जयकारों के साथ नवीन गोयल ने



गुरुग्राम के सेक्टर-15 में निकाली जा रही भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल नवीन गोयल व अन्य द्वारा। सभी भक्तों को इस यात्रा की भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का शुभकामनाएं दी। नवीन गोयल ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का सामाजिक महत्व भी यही है हम सब अपने मतभेद भूलकर एक हो जाएं। यात्रा जिस तरह से उड़ीसा के पुरों में हमारे भौतर सिर्फ भगवान की भक्ति हो और आपसी प्रेम-सौहार्द की वातावरण और तैयारियों के साथ गुरुग्राम में भी नज़र आता है। गुरुग्राम की रथ यात्रा में भक्तों के सैलाब को देखकर नवीन गोयल ने कहा कि ब्रद्दा का यह संगग गुरुग्राम के लिए अहम है। उन्होंने कहा कि बरसात को मौसम में हमें बरसात का पानी वर्ष्य नहीं बहने देता चाहिए। उसको सहेजने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगावाएं, ताकि बरसात का पानी धरती में समा जाए और पानी का सर ऊचा हो सके। इन सब कार्यों को करके हम अपने इंसानी जीवन का फर्ज पूरा कर सकते हैं। गुरु द्रोणाचार्य और मां दीशा हुई। गुरु द्रोणाचार्य और मां

शीतला की इस पावन भूमि पर आज लालों उड़ीसावासी निजी क्षेत्र में ऊचे ओढ़दों पर काम कर रहे हैं। गुरुग्राम के विकास में वे अपनी भूमिका निभा रहे हैं। नवीन गोयल ने कहा कि उड़ीसा समेत जितने भी बाहर के राज्यों से लोग गुरुग्राम में रह रहे हैं, उनकी प्रतिभातों को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा।

रथ खाँचने की स्वमें भाग लेकर नवीन गोयल ने पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का मौसम में उड़ीसा में धरती मात्रा को पूजा जाता है, उसी तरह से बरसात के मौसम में उड़ीसा में धरती मात्रा को पूजा जाती है। उसी तरह से पर्यावरण का संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। पर्यावरण बचाना सिफे पेंड-पौधे लगाना नहीं, बल्कि हमें पानी की बचावी भी करनी चाहिए। पानी के स्रोतों को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में हमें बरसात का पानी वर्ष्य नहीं बहने देना चाहिए। उसको सहेजने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगावाएं, ताकि बरसात का पानी धरती में समा जाए और पानी का सर ऊचा हो सके। इन सब कार्यों को करके हम अपने इंसानी जीवन का फर्ज पूरा कर सकते हैं।

जीयू के एमबीए व एमटेक पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मिली मान्यता



गुरुग्राम विवि को मिली एमबीए व एमटेक के प्रमाण पत्र को प्रदानित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य प्राप्ताधिकारी। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में वर्ष एआईसीटीई की ओर से सभी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों बीटेक कंप्यूटर अभियांत्रिकी शिक्षा साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टीफिशियल इंटीलैंस) बीटेक मिल गई है। विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के मुताबिक यह मान्यता दिनेश विभाग के लिए उत्तेजना साइंस एंड इंजीनियरिंग (इंटर्नेट ऑफ थिंग्स), बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) साइंस एंड इंजीनियरिंग (साइबर सिक्यूरिटी), बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (वीएलएसएड डिजिट एंड टेक्नोलॉजी) को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए मान्यता प्रदान की गई थी। इसी क्रम में एक बार फिर से एआईसीटीई से शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए सभी चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता दे दी है।

धान उत्पादन में तेलंगाना अव्वल : के. चंद्रशेखर राव



समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित करते मुख्यमंत्री के चंद्र शेखर राव।

हैदराबाद/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य हर घर में पीने का राज्य तेलंगाना के देश में शास्त्रीय स्थान हासिल करने और उत्पादन में शास्त्रीय स्थान पर बढ़ावा देना चाहता है। यह बात उन्होंने रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के थम्मलूर गांव में हरिथोत्सव के सिलसिले में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि पहले किंतु योजना की विवरण स्थिरीकृति के लिए उत्पादन के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फल वृक्षारोपण विस्तार अभियान के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। मुख्यमंत्री ने राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए अधिकारिक तरह की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने रुपये की राशि रुपीयों के मापदंड से अपनी विवरण स्थिरीकृति के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए किंतु योग के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर सिविल जल अपार्टिंग और बाधित विजिती ने प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री राज्य की विभिन्न उत्तराधिकारी के बारे में बोल रहे थे और उन्होंने कहा कि पिछों कुछ तेलंगाना की विवरण स्थिरीकृति के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में एक निश्चिन्ता योग की विवरण स्थिरीकृति के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां : अंतर्राष्ट्रीय योगा खिलाड़ी नीलम इन्सां ने अलग-अलग दौरों में आयोजित वर्ल्ड कप व एशियन चैम्पियनशिप में 32 पदक हासिल किए हैं। जिनमें 11 गोल्ड, 10 ब्रॉन्ज पदक व 11 सिल्वर पदक दाढ़ी के लिए 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निरंतर उत्तराधिकारी ने इसके पास उड़ीसा के लिए 40 रुपये की राशि दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योगा ख

आदिपुरुष फिल्म विवाद का कारण

आदिपुरुष फिल्म की आलोचना इसलिए हो रही है कि उसमें रामायण का ठीक से प्रस्तुतीकरण नहीं हो गया है। रामायण पर आधारित या उससे प्रेरित फ़िल्म आदिपुरुष पर तकान खड़ा हो गया है, हालांकि उसमें पहले दिन रिकार्ड कमाई की है। फ़िल्म के रिलीज़ होते ही विवाद शुरू हो गया था। यह न केवल भारत, बल्कि पूर्वी नेपाल में भी संकर में फ़ंस गई है। जहां इसके दो शरीरों में प्रदर्शन पर रोक लाई गई है। यदि फ़िल्म निर्माता इसमें सुधार के काम नहीं उठाते हैं तो इस पर भारत के भी कुछ राज्यों में प्रतिवंध लगाया जा सकता है। आदिपुरुष फ़िल्म के निर्देशक और राजत हैं और इसके सबाद लेखक लोकप्रिय गीतकार मनोज मुंतशर ने लिखे हैं। इस फ़िल्म पर व्यापक राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई है और अनेक नेताओं ने भगवान हनुमान, भगवान राम व देवीं सीता के गलत चित्रण के लिए फ़िल्म की खुलोआम आलोचना की है। उनका कहना है कि इसके संवाद बहुत भद्र हैं तथा तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। भगवान हनुमान 'युंडो' जैसी 'भाषा बोलते हैं, जबकि सीता को 'भारत की बैटी' बताया गया है। नेपाल में प्रतिवंध के बाद इस पर कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में भी प्रतिवंध लग सकता है क्योंकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आपत्तिजनक संवादों को लेकर इसकी आलोचना की है। उनके अनुसार संवाद 'बैटिया दर्जे' के हैं और इसके प्रतिवंध पर विचार हो सकता है। अनेक संतों-महंतों ने भी फ़िल्म का विरोध करते हुए इस पर प्रतिवंध की मांग की है। फ़िल्म संवादों को



लेकर हो गया को देखते हुए मुंबई पुलिस ने संवाद लेखक मनोज मुंतशर को सुरक्षा देने की घोषणा की है। फ़िल्म पर उठ रहे विवादों को देखते हुए सरकार ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। केन्द्रीय सचिवान एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि किसी को भी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचने का अधिकार नहीं है। केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड ने इस मुद्रे पर फैसला किया है। उन्होंने फ़िल्म निर्देशक और लेखक के इस आलोचना का संदर्भ में भी दिया कि वे फ़िल्म में जरूरी बदलाव करें। आदिपुरुष तथा इसके पहले कई फ़िल्मों की विषयवस्तु या प्रस्तुतीकरण को लेकर उठे विवादों को देखते हुए फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड का दायरा बढ़ाने को आवश्यकता भी अनुभव की जा रही है। विंडबना है कि 'अधिकारिकी की स्वतंत्रता' तथा 'रचनात्मक स्वतंत्रता' के नाम पर अनेक बुद्धिजीवों फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड या संसद बोर्ड को भाँग करने में रहे हैं। लेकिन ऐतिहासिक व धार्मिक पृष्ठभूमि वाली फ़िल्मों पर उठने वाले विवादों को देखते हुए इसका क्षेत्र बढ़ाने की आवश्यकता अनुभव होती है। इस संदर्भ में प्रत्यावर्त रामायण सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल का बयान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा है कि अपने महापुरुषों व देवी-देवताओं को हम जिस रूप में स्वीकार कर चुके हैं, उसमें अनावश्यक परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। वैसे तो भगवान राम और उनके जीवन पर आधारित रामायण पूरी दुनिया में लोकप्रिय है और उसके अनेकानेक रूप हैं। लेकिन 'रचनात्मक स्वतंत्रता' के नाम पर इनसे एक सीमा से अधिक परिवर्तन की संभानन नहीं हो सकती है। इस तथ्य को भी अनेकों वालों को ठेस पहुंचने वाले तत्वों को भी कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए।

उन्होंने फ़िल्म निर्देशक और लेखक के इस आलोचना का संदर्भ में भी दिया कि वे फ़िल्म में जरूरी बदलाव करें। आदिपुरुष तथा इसके पहले कई फ़िल्मों की विषयवस्तु या प्रस्तुतीकरण को लेकर उठे विवादों को देखते हुए फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड का दायरा बढ़ाने को आवश्यकता भी अनुभव की जा रही है। विंडबना है कि 'अधिकारिकी की स्वतंत्रता' तथा 'रचनात्मक स्वतंत्रता' के नाम पर अनेक बुद्धिजीवों फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड या संसद बोर्ड को भाँग करने की मांग रही है। लेकिन ऐतिहासिक व धार्मिक पृष्ठभूमि वाली फ़िल्मों पर उठने वाले विवादों को देखते हुए इसका क्षेत्र बढ़ाने की आवश्यकता अनुभव होती है। इस संदर्भ में प्रत्यावर्त रामायण सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल का बयान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा है कि अपने महापुरुषों व देवी-देवताओं को हम जिस रूप में स्वीकार कर चुके हैं, उसमें अनावश्यक परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। वैसे तो भगवान राम और उनके जीवन पर आधारित रामायण पूरी दुनिया में लोकप्रिय है और उसके अनेकानेक रूप हैं। लेकिन 'रचनात्मक स्वतंत्रता' के नाम पर इनसे एक सीमा से अधिक परिवर्तन की संभानन नहीं हो सकती है। इस तथ्य को भी अनेकों वालों को ठेस पहुंचने वाले तत्वों को भी कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए।

बढ़ते विमान किरायों पर नियंत्रण

एयर इंडिया के बाद गो फ़स्ट व स्पाइसजेट को बनाए रखना विमान क्षेत्र में प्रतियोगिता के दृष्टिकोण से जरूरी हो गया है। बढ़ते विमान किरायों पर नियंत्रण जरूरी है।

अधिकारी महाजन
(लेखक, दिल्ली
विविधालय में प्रोफेसर
हैं)

पि छले कुछ समय से घेरे विमान किरायों में लगातार वृद्धि हो रही है। हाल ही में 24 घंटे पहले बुकिंग करने पर दिल्ली-मुंबई विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि पहले वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। विमान यात्रियों को बढ़ते किरायों से बहुत चोंप हूंच रही है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद यात्रियों के आवायान में काफ़ी वृद्धि हुई है। हाल ही में केवल एक दिन, यानी 30 अप्रैल, 2023 को 4.56 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी जो एक किराया है। हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या हर दिन भी अपनी उड़ानें रद्द कर दी थीं तथा लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि पहले वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। विमान यात्रियों को बढ़ते किरायों से बहुत चोंप हूंच रही है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद यात्रियों के आवायान में काफ़ी वृद्धि हुई है। हाल ही में 24 घंटे पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। विमान किरायों के बढ़ते किरायों से बहुत चोंप हूंच रही है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद यात्रियों के आवायान में काफ़ी वृद्धि हुई है। हाल ही में 24 घंटे पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक हो गया, जबकि वह केवल 7,000 रुपये होता था। बाकी रूटों पर भी किराया बढ़ रहे हैं और वह भी बहुत पहले एडवांस बुकिंग करने पर लगाए होते हैं। यह लगभग 12 मिलियन से 13 मिलियन के बीच ताजा रही है। यात्रियों में लगातार वृद्धि हो रही है कि विमान किराया 20,000 रुपये से अधिक ह

नकली दवाओं पर कर्तई बर्दाश्त नहीं की नीति

● 71 कंपनियों वो कारण
बताओ नोटिस जारी



भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनमुख मांझीया ने कहा है कि भारत नकली दवाओं के मामले में कर्तई बर्दाश्त नहीं करनी चाहती कि एक लालन करता है। उन्होंने कहा कि खांसी रोकने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। पीटीआई बीड़ियों के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार स्वाक्षर विश्लेषण किया जाता है, और सकारात्मक हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहते हैं कि नकली दवाओं के कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। पीटीआई बीड़ियों के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार स्वाक्षर विश्लेषण किया जाता है, और सकारात्मक हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहते हैं कि नकली दवाओं के कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है।

फरवरी में, तमिलनाडु आधारित ग्लोबल कामों हेल्पर्स ने आंखों की अपनी दवाई की पूरी खेप को बासपास ले रखिया था। इससे एक आरोप लगा था कि ऐप्पल लाल खांसी रोकने के लिए भारत में निर्मित सीरप से गांधियां और उच्चकित्तान में क्रमशः 66 और 18 बच्चों की मौत हो गई। भारत ने 2022-23 में 17.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कफ सीरप का निर्माण किया, जबकि 2021-22 में यह निर्यात 17 अरब अमेरिकी डॉलर का था। कुल मिलाकर, भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो विभिन्न टीकों को 50 प्रतिशत से अधिक, अमेरिका में लागभाग 40 प्रतिशत जेनेरिक मांग और ब्रिटेन में लागभाग 25 प्रतिशत दवाओं की सीरप परीक्षण अनिवार्य कर दिया है।

मांझीया ने कहा, जब भी भारतीय दवाओं के बारे में कुछ सबल उत्तर जाए तो हमें तथ्यों में सामिल होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए गांधिया में, यह

उन्होंने कहा, मैं आपके माध्यम से दुनिया को आश्रित करना चाहता हूं कि भारत कोपी भी दवाओं की गुणवत्ता के साथ काई समझौता नहीं करगा। हम कर्तई बर्दाश्त नहीं की नीति का पालन करते हैं। नकली दवाओं के मामले में देश में वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा कि विदेशों में किया जाता है। हम हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हैं कि नकली दवाओं से किसी की मौत न हो। निर्यात नीति में बदलाव में भारतीय कंपनियों द्वारा नियंत्रित किए जाने वाले कफ सीरप को लेकर विश्व स्तर पर उड़ाई गई गुणवत्ता संबंधी चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। पीटीआई बीड़ियों के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। पीटीआई बीड़ियों के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताये नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है।

कहा गया था कि 49 बच्चों की मौत हुई है। डल्लूपूर्णओं में किसी ने यह कहा था और हमने उड़ाया था कि तथ्य क्या है? कोई भी हमारे पास तथ्यों के साथ नहीं आया। उन्होंने कहा, हमने एक कंपनी के नमूनों की जांच की। हमने मौत की वजह जानने की कोशिश की और पाया कि बच्चे को अतिसार था। अब कंपनी बच्चे को अतिसार हुआ तो सब बच्चे के लिए कफ सीरप को सलाह किया दी? मंत्री ने कहा कि कुल 24 नमूने लिए गए, जिनमें से चार विफल रहे। उन्होंने कहा, सबल यह है कि अगर नियंत्रित के लिए सिक्फे एक बैच बनाया गया था और अगर वह विफल रहता है। उन्होंने कहा कि एक विफल रहता है।

आदेश के बाद, भारत के औषधियों महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने निर्विट सर्ज स्टरीय और केंद्रीय प्रयोगशालाओं को संचालित किए जाने के लिए एक सीरप को नियंत्रित करने और जल्द से जल्द परीक्षण करने और जल्द से जल्द परीक्षण रिपोर्ट जारी करने की ओर कहा कि एक विफल रहता है।

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

राजनाथ सिंह ने बालाजी की गिरफ्तारी के लिए स्टालिन के दोहरे रैपैर पर सवाल उठाया

</div

